कर्नाटक के सिनेमा में राम

श्री कुपेन्द्र आर राठोड़
हिन्दी सहायक प्राध्यापक
स.प्र.श्रे.म.हुलसुर.बिदर
मो.न.9902396416

राम केवल व्यक्ति नहीं है।वह हर एक भारतीय लोगों के हृदय में बसा हुआ आस्था है। वह लोगों की भावनाओं की ताकत है।श्राद्दालुओं के भक्ति की ऊर्जा है। राम हमारे प्रेरणा है।वह एक आदर्श राजा. आदर्श भाई.आदर्श बेटा.आदर्श शिष्य.आदर्श मित्र और आदर्श पति भी है। यह कहना गलत नहीं होगा राम हमे संसार के हर वस्तु में दिखाई देता है।

कर्नाटक के सिनेमा के क्षेत्र में राम का आदर्श चरित्र दिखाने का प्रयास सिनेमा में किया गया है। कन्नड़ के ऐसे बहुत सारे सिनेमा देखने को मिलेंगे जंहा पर राम का आदर्श जीवन और उनका संदेश सिनेमा के नायक की ओर से राम का चरित्र दिखाने का प्रयत्न हुआ है।सिनेमा एक ऐसा क्षेत्र है जंहा पर लोगों को आदर्श क्याक्तियों का चरित्र बताया जाता है।सिनेमा लोगों को खुशी देने वाला एक पुराना क्षेत्र है।जिसके द्वारा आसानी से हम अपनी भावनाएँ बता सकते है।सिनेमा में अभिनय करने वाले नायक और नायिकाएँ प्रेक्षक के लिए एक मार्गदर्शन ही नहीं बल्कि प्रेरणास्तोत्र भी होता है।सिनेमा संगीत का एक सफल साधन है। सदियों से भारतीय लोग सिनेमा से जुड़े हुये है।सिनेमा में एक तरफ मनोरंजन दूसरी ओर संदेश भी होता है।उसी संदेश को लोग अपने जीवन में उतारने की कोशिश करते है।

राम हिंदुओं के आस्था के प्रतीक है।वह हर व्यक्तियों के जनमानस में बसा हुआ है।आज भी लोग आयोध्या में जाकर भगवान राम का दर्शन करना भाग्यशाली मानते है।सच-मुछ लोग वास्तव में राम का ही दर्शन होने जैसा महसूस करते है।भारतीय लोगों के दिल में राम आज भी निवास करता है।त्रेतायुग में राम पर जीतना विश्वास किया जाता था. आज के युग में भी राम पर उतना ही भरोसा किया जाता है।राम रामायण के महानायक है।तुलसीदास ने भी रामचरितमानस में राम को लोकरक्षक माना है।उन्होने कहा राम जैसा आदर्श चरित्र और सर्वगुण सम्पन्न व्यक्ति संसार में नहीं है।तुलसीदास अपने वाणी के जरिये राम का संदेश लोगों तक पंहुचाया।राम का चरित्र आदर्श और सर्वव्यापी है।

कर्नाटक के सिनेमा के क्षेत्र में राम के चरित्र पर नायक अपने अभिनय के जरिये राम का व्यक्तित्व दिखाने का प्रयास किया है।कन्नड़ सिनेमा के जगत में ऐसे बहुत सारे सिनेमा है जिसके द्वारा भगवान राम हम से सीदा जुड़ जाते है। जैसे रामलीला.रामक्का.रामक्रष्ण.कोदंडराम.रामारामारे.संपूर्ण रामायण.श्री रामांजनेय युद्द आदि सिनेमा में नायकों ने अभिनय के जरिये राम की विचारधारा बताने का प्रयत्न किया है।कन्नड़ सिनेमा के द्वारा राम का आदर्श दिखाने का कोशिश सिनेमा के निर्देशक ने किया है।रामलीला के सिनेमा में भगवान राम के ताकत.और उनकी लीला साथ-साथ मानवीय मूल्यों को दिखाया गया है।आज के लोगों में राम के मानवीय मूल्य सिखाना बहुत जरूरी है।वही प्रयास रामलीला सिनेमा में किया गया है।

रामक्रष्ण के सिनेमा में अभिनेता रविचंद्र ने राम का पात्र और दूसरे अभिनेता जग्गेश ने क्रष्ण का पात्र किया है। रविचंद्र ने रामायण के महानायक भगवान श्री राम और जग्गेश ने महाभारत के महानायक श्री क्रष्ण के अवतार मे प्रथ्वी पर आकर अपनी प्रजा को सलाह देने का प्रसंग दिखाई देता है।इस सिनेमा में साहित्य के.कल्याण कविराज का है।इसके सह निर्देशक शशि किरण शरावण है। सिनेमा में दिखाये गए पात्र काल्पनिक होते हुये भी वास्तविक लगते है।इस सिनेमा में नायकों ने अपनी ओर से राजा के कर्तव्य और प्रजा की जिम्मेदारी को भी बताने का भरपूर प्रयास हुआ है।

रामारामारे सिनेमा में परेशान जनता को राम ने आकर कैसे उनके कठिनाइयों को दूर किया उसके साथ-साथ अपने मीठी बोली से लोगों के दिल कैसे जीत लेते है उसे दिखाने का कोशिश किया गया है।इसी सिनेमा में नायिका ने सीता के रूप में नायक रूपी राम से कहती है अगले जन्म में भी दोनों एक साथ जीवन बिताने की बात करती है।राम से विवाह होकर सीता रूपी नायिका अपने आप को धन्य समझती है।भगवान राम को एक आदर्श पति मानती है।ईस सिनेमा के नायक जयराम है।निर्देशक डी सत्यप्रकाश और संगीत वासुकि वैभव की है।

संपूर्ण रामायण के सिनेमा में हमे राम के बचपन से लेकर सीता के प्रथ्वी प्रवेश तक की घटना से अवगत कराया गया है।राम अपनी सभी माताएँ से कैसे प्यार करते है पिता के दिल जीतना.ऋषिमुनियों की सेवा करना.सभी भाइयों के साथ मिल-जुलकर रहना आदि

विषय नैतिक मूल्यों के साथ बताया गया है।जैसे हम जानते है भगवान राम चरित्र बेदाग है।वह अपनी प्रजा को अपने परिवार से भी ज्यादा प्यार करते थे।इस सिनेमा में राम का कर्तव्य निष्ठा को भी बताया गया है।राम लोभी नहीं बल्कि पिता के दिये वचन भी पालन कर सकता है।राम सदा सत्य और न्याय के साथ थे।जैसे हमे आज बाहरी दुष्ट शक्तियों से सामना करना है उस संदर्भ में राम ने असुर कों संहार करते हुये राज्य में शांति स्थापना किया था। राम ने निश्वार्थ भाव से सुग्रीव और विभीषण से मित्रता निभाई थी।इतिहास में राम जैसे निश्वार्थ सेवा भाव दिखाने वाले राजा हमे बहुत कम देखने को मिलेंगे।इस सिनेमा के जरिये राम का त्याग और जनता के प्रति प्यार सुंदर और शशक्त राज्य बनाने की सोच दिखाया गया है।

कोदंडाराम नामक कन्नड़ सिनेमा में भी राम का चरित्र दर्शाया गया है। इस सिनेमा में राम पहले अपने विरोधियों को सलाह देते है बाद में समझाने की कोशिश करते है। सब कुछ वार्तालाप होने के बावजूद भी विरोधी गलत करता है या दूसरों पर अन्याय करता है तब भगवान राम उन्हे सजा देने से नहीं रुकते। कोदंडराम सिनेमा में राम का व्यक्तित्व एक आदर्श है। अपने राज्य में वह पहले शांति और खुशी बसाते है और उनका ईरादा है की अपने चारो तरफ भी शांति रहे।जब कोई जनता से पाप करता है या अन्याय करता है तब राम उसे जरूर सजा देते है।इस सिनेमा में राम अपने चाहने वालों को दिल भी देता है और पाप करने वाले. अन्याय करने वालों पर टूट भी पड सकता है।वह रावण की हत्या करने से पहले सीता को वापस भेजने की निवेदन भी किया। पर रावण उस निवेदन को ठुकरा दिया।उसका सजा रावण को मिला। कहा जाता है राम का जन्म लोककल्याण और लोकहित के लिए हुआ है। इस सेनेमा में रविचंद्रन ने राम का अभिनय किया था ।इस सिनेमा के निर्देशक एवं संगीत वी.रविचंद्रन ही है।

उपर्युक्त सिनेमा के अलावा भी कन्नड़ के बाकी पुराने सिनेमा में राम के अवतार मे अभिनेताओं ने अभिनय किया है। राम की उन्नत सोच. उनकी महानता. उनकी लीला.संकट के खड़े रहना. प्रजा की देखभाल करना आदि बाते कन्नड़ के अलग-अलग सिनेमा में दिखाया गया है। राम के बारे में यह भी कहा जाता है की हम जब उन्हे याद करते है वह किसी के भी रूप में आकर अपने भक्त जनों कों आशीर्वाद प्रदान कर सकता है। हजारों साल बितने के बावजूद भी भगवान राम की आस्था के साथ हम जुड़े हुये है।आज त्रेतायुग नहीं है. परंतु उस वक्त राम के वचन.संदेश.आशीर्वाद लेने की जनता में जो लालसा थी आज के दौर में भी वही चीज हमे दिखाई देता है।भारतीय संस्क्रती में लोग ने सदियों से देवताओं पर आश्था रखा है।वह हमारे लिए सिर्फ भगवान ही नहीं बल्कि संकटमोचक भी है। हम मंदिरों जाकर भगवानों से मन्नत माँगते है की हमारी कठिनाइयाँ दूर हो जाए। हमारी आश्था में बहुत बड़ी ताकत है। जिसके आगे विज्ञान भी फेल है। आज भी लोग हमारे' देश में सुबह उठकर एक-दूसरे को नमस्कार कहने के बजाय राम-राम कहते है। इससे हम अंदाज लगा सकते है की राम भले पुराना होगया हो लेकिन वह हमारे दिमाग में आज भी जवान है और उनकी यादें जीवित है।

राम ने अपने जीवन में असुर शक्तियों को दमन किया। उस वक्त देवताओं पर जिस तरह राक्षस हावी हो रहे थे। उनसे लड़ना भगवान राम के लिए एक चुनौती था।समय के अनुसार राम ने सभी असुर जाती का संहार किया। बड़े-बड़े राक्षसों को मार डाला। संसार मे पुनः सत्य स्थापित करना ही राम का उद्देश रहा है।राम सभी देवता से महान इसीलिए है की उनमे शक्ति. शील. और सभी गुण भांडार है।

भारत मे ही जन्मे राम का निवास स्थान लेकर काफी समय से आयोध्या में जमीन विवाद चल रहा था।जिस स्थान पर राम का जन्म हुआ है उसी स्थान पर हम ने अगर मंदिर न बनाते तो हम राम को कैसे न्याय देते।शायद आने वाली पीड़ी भी हमे माफ न करती। राम एक व्यक्ति का नाम नहीं है। राम नामक शब्द में ही एक आदर्श है। प्रेरणा है ताकत है और ऊर्जा भी है।राम की कथा हमे जीवन में बेहत्तर जिंदगी कैसे जीना है और निश्वार्थ सेवा भाव करने कों सिखाती है।यही नहीं आज भी देश के कोने-कोने में राम का पूजा-पाठ होता है। भारत मे राम एक ऐसा नाम है जो देश का हर व्यक्ति जानता है। राम ने अपनी छाया सभी पर छोड़ा है। निस्संदेह से हम यह कह सकते है की राम को सिर्फ हिंदु ही नहीं बल्कि बाकी मजहब के लोग भी प्यार करते है।भारत के अलावा दूसरें देशो में भी राम की आराधना की जाती है।